Mindbenz Sanskrit Gaurav Olympiad (MSGO)

नमूना प्रश्न पत्र

कक्षा - 8

Maximum Marks: 60 Time Allowed – 55 Minutes

अनुभाग क: व्याकरण कौशल (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

1. निम्नलिखितेषु कः शब्दः कृत्-प्रत्ययेन निर्मितः नास्ति?

   क) पठनम्

   ख) कर्ता

   ग) दानम्

   घ) पाठकः

2. 'नरः' शब्दस्य चतुर्थी विभक्तौ द्विवचनं किम्?

   क) नराय

   ख) नराभ्याम्

   ग) नरोभ्याम्

   घ) नरयोः

3. 'हस्' धातोः लट् लकारे प्रथमपुरुषे बहुवचनं किम्?

   क) हसति

   ख) हसन्ति

MINDBENZ

ग) हसामि

घ) हससि

4. **'कृ'** धातोः लङ् लकारे मध्यमपुरुषे एकवचनं किम्**?**

क) अकरो**:**

ख) अकरोत्

ग) अकरवम्

घ) अकरुः

5. निम्नलिखितेषु कः शब्दः कर्म कारकस्य उदाहरणम्**?**

क) रामः पुस्तकं पठति

ख) हे नर**!**

ग) रामाय पुस्तकं ददाति

घ) रामस्य गृहम्

6. निम्नलिखितेषु कः उत्प्रेक्षालङ्कारस्य उदाहरणम्**?**

क) मुखं चन्द्र इव सुन्दरम्

ख) सूर्योदये कमलं मानो हसति

ग) यथा दीपः तमसि प्रकाशति

घ) कविता कुसुमं कुसुमस्य

7. **'दृश्'** धातोः लोट् लकारे मध्यम पुरुषे एकवचनं किम्**?**

क) पश्यति

ख) पश्य

MINDBENZ

ग) अपश्यत्

घ) दृश्यति

8. निम्नलिखितेषु कः शब्दः तृजन्त प्रत्ययेन निर्मितः?

क) पाठकः

ख) पठनम्

ग) पाठः

घ) पठति

9. 'गुरु' शब्दस्य षष्ठी विभक्तौ बहुवचनं किम्?

क) गुरवः

ख) गुरूणाम्

ग) गुरुभ्यः

घ) गुरुषु

10. निम्नलिखितेषु कः यमकालङ्कारस्य उदाहरणम्?

क) सूर्यः संनादति, संनादति चन्द्रः

ख) मुखं चन्द्र इव सुन्दरम्

ग) यथा राजा तथा प्रजा

घ) कमलं सूर्योदये प्रस्फुरति

अनुभाग ख: श्लोकार्थ विवेचन (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

MINDBENZ

11. "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" — मुख्यं भावः कः?

क) फलस्य चिन्ता कुरु

ख) कर्म कुरु, फलस्य चिन्तां मा कुरु

ग) कर्म त्यज

घ) फलमेव महत्वपूर्णम्

12. "यद्यदाचरति श्रेष्ठः तत्तदेवेतरो जनः" — श्लोकस्य अर्थः कः?

क) श्रेष्ठः यत् करोति, तदेव अन्ये जनाः कुर्वन्ति

ख) सर्वं समानं भवति

ग) श्रेष्ठं न कोऽपि मानति

घ) कर्म एव पूजा अस्ति

13. निम्नलिखितेषु कः श्लोकः गीतायाः द्वितीय-अध्यायस्य अस्ति?

क) कर्मण्येवाधिकारस्ते

ख) यदा यदा हि धर्मस्य

ग) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय

घ) सर्वं विश्वेन संनादति

14. "वासांसि जीर्णानि यथा विहाय" — श्लोके आत्मनः उपमा केन सह कृता?

क) वस्त्रैः

ख) अग्निना

ग) जलेन

घ) वायुना

MINDBENZ

15. श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनाय कः उपदेशति**?**

क) भीष्मः

ख) द्रोणाचार्यः

ग) श्रीकृष्णः

घ) युधिष्ठिरः

16. "मा फलेषु कदाचन**"** इत्यस्य अर्थः कः**?**

क) फलस्य इच्छां कदापि मा कुरु

ख) फलं सदा प्राप्नुहि

ग) फलस्य त्यागं कुरु

घ) फलमेव जीवनम्

17. गीतायां **'**निष्काम कर्म**'** — इत्यस्य अर्थः**?**

क) कर्म विना जीवनं जीवति

ख) कर्म कुरु**,** किन्तु फलस्य इच्छां मा कुरु

ग) केवलं फलस्य इच्छां कुरु

घ) कर्मस्य त्यागं कुरु

18. "यदा यदा हि धर्मस्य**"** — श्लोकस्य सम्बन्धः केन सह**?**

क) धर्मस्य स्थापनया

ख) कर्मणः महत्वेन

ग) आत्मनः अमरत्वेन

घ) युद्धस्य नियमैः

MINDBENZ

19. श्रीमद्भगवद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति**?**

क**) 16**

ख**) 18**

ग**) 20**

घ**) 22**

20. "सर्वं विश्वेन संनादति**" —** श्लोकस्य मुख्यं भावः कः**?**

क**)** विश्वे शान्तिः

ख**)** विश्वस्य एकत्वम्

ग**)** कर्मणः महत्वम्

घ**)** आत्मनः मुक्तिः

अनुभाग ग**:** अनुवाद एवं बोध **(**प्रत्येक प्रश्न **2** अंक**)**

21. "विद्या सर्वस्य मूलं भवति" इति वाक्यस्य हिन्दी अनुवादः कः**?**
क) विद्या सबको प्रकाशित करती है जैसे दीपक अंधकार में।
ख) विद्या सबका आधार है।
ग) विद्या सबको जीतती है जैसे सूर्य संसार में।
घ) विद्या सबको गुंजाती है जैसे नदी।

22. "सूर्यः विश्वं प्रकाशयति" इति वाक्यस्य हिन्दी अनुवादः कः**?**
क) सूर्य संसार को प्रकाशित करता है।
ख) सूर्य संसार की रक्षा करता है।
ग) सूर्य संसार को गुंजाता है।
घ) सूर्य संसार को जीतता है।

23. "गुरवः शिष्येभ्यः सद्गुणान् शिक्षयन्ति" **—** हिन्दी अनुवादः कः**?**
क) गुरु शिष्यों से सद्गुण सीखते हैं।
ख) गुरु शिष्यों को सद्गुण सिखाते हैं।

MANDBENZ

ग) शिष्य गुरुओं को सद्‌गुण सिखाते हैं।
घ) गुरु सद्‌गुण छोड़ देते हैं।

24. "नदी वहति, या जीवनस्य आधारः अस्ति" इति वाक्यस्य हिन्दी अनुवादः कः?
क) नदी बहती है, जो जीवन का आधार है।
ख) नदी रक्षा करती है, जो जीवन का सार है।
ग) नदी गूंजती है, जो जीवन की ध्वनि है।
घ) नदी जीतती है, जो जीवन की गति है।

25. "पृथ्वी सर्वं रक्षति" इति हिन्दी वाक्यस्य हिंदी अनुवादः कः?
क) पृथ्वी सबकी रक्षा करती है।
ख) पृथ्वी घूमती है।
ग) हम पृथ्वी की रक्षा करते है।
घ) पृथ्वी सब कुछ पढ़ती है।

26. "बालकः सर्वदा विद्‌यां पठति।" इति वाक्यस्य हिन्दी अनुवादः कः?
क) बालक हमेशा विद्‌या पढ़ता है।
ख) बालक हमेशा विद्‌या से खेलता है।
ग) बालक हमेशा विद्‌या गाता है।
घ) बालक हमेशा विद्‌या के साथ सोता है।

27. "राजा प्रजाः न्यायेन पालयति" — हिन्दी अनुवादः कः?
क) राजा युद्‌ध में न्याय करता है।
ख) राजा न्याय से प्रजा की रक्षा करता है।
ग) राजा प्रजा को युद्‌ध करने भेजता है।
घ) राजा केवल धर्म का पालन करता है।

28. "विद्‌या जीवनं प्रकाशितयति" — हिन्दी अनुवादः कः?
क) विद्‌या जीवन का आधार है।
ख) विद्‌या जीवन की रक्षा करती है।
ग) विद्‌या जीवन को प्रकाशित करती है।
घ) विद्‌या जीवन को आसान करती है।

29. "सर्वदा सत्यं वद" — हिन्दी अनुवादः कः?
क) हमेशा सत्य बोलो।
ख) सदा झूठ बोलो।
ग) सदा मौन रहो।
घ) सत्य का त्याग करो।

30. "चन्द्रमाः शीतलेन तेजसा विश्वं प्रकाशयति" — हिन्दी अनुवादः कः?
क) चन्द्रमा अपने शीतल प्रकाश से संसार को प्रकाशित करता है।
ख) चन्द्रमा गर्मी से संसार को जलाता है।
ग) चन्द्रमा संसार को ढक देता है।
घ) चन्द्रमा अंधकार फैलाता है।

MINDBENZ

अपठित गद्यांश आधारित प्रश्नाः
अपठित गद्यांशः

पुरे हिमालयस्य कस्मिंश्चिद् उद्याने सुन्दरं सरः आसीत्। तत्र कमलानि सूर्योदये प्रस्फुरन्ति स्म, यानि कुसुमानि इव शोभन्ति स्म। सरसः तीरे नानाविधाः खगाः कूजन्ति स्म, येषां स्वरः समग्रं विश्वं अनुरञ्जयति स्म।

तत्र कश्चन बुद्धिमान् मुनिः निवसति स्म, यः सर्वदा सत्यं वदति स्म। सः विद्यायाः शक्त्या सर्वं जयति स्म। एकदा सः शिष्येभ्यः उपदिशत् — "विद्या जीवनस्य दर्पणं भवति, यया मानवः आत्मानं ज्ञातुं शक्नोति।"

तस्य उपदेशेन शिष्याः बुद्ध्या समग्रं जगत् रक्षन्ति स्म। मुनेः उपदेशः यथा दीपः तमसि प्रकाशं करोति, तथैव शिष्याणां हृदये प्रतिध्वनति स्म।

सरसः निकटस्थात् नदी वहति स्म, या जीवनस्य आधारभूता आसीत्। तस्याः स्वच्छं जलं समग्रं जीवनम् आप्याययति स्म। मुनिः शिष्येभ्यः कथयति स्म—"यथा सूर्यः समस्तं विश्वं प्रकाशयति, तथैव विद्या बुद्धिं प्रकाशितवती भवति।"

यः सत्येन जीवनं जीवति, सः सर्वदा सम्मानं प्राप्नोति।

प्रश्नाः

31. गद्यांशानुसारं हिमालयस्य कस्मिन् स्थानं सुन्दरं सरः आसीत्**?**
क) उद्याने
ख) नद्याः तीरे
ग) वने
घ) शिखरे

32. गद्यांशे कमलानि किम् इव शोभन्ति स्म**?**
क) दीपानि
ख) कुसुमानि
ग) चन्द्रः
घ) सूर्यः

33. गद्यांशानुसारं खगानां स्वरः केन संनादति**?**
क) विश्वेन
ख) नद्या
ग) सरसा
घ) मुनिना

34. गद्यांशे मुनिः कीदृशः आसीत्**?**
क) धनवान्
ख) बुद्धिमान्
ग) क्रोधी
घ) मूर्खः

MINDBENK

35. गद्यांशानुसारं विद्या जीवनस्य किम् भवति?
क) शत्रुः
ख) आधारः
ग) दर्पणम्
घ) शक्ति

36. गद्यांशे मुनेः उपदेशः किम् इव शिष्याणां हृदये संनादति स्म?
क) सूर्यः विश्वे
ख) दीपः तमसि
ग) नदी वहति
घ) खगाः संनादन्ति

37. गद्यांशानुसारं नद्याः जलं कीदृशं आसीत्?
क) स्वच्छम्
ख) मलिनम्
ग) शीतलम्
घ) उष्णम्

38. गद्यांशे मुनिः शिष्येभ्यः किम् उपदिशति स्म यत् सूर्यः विश्वं प्रकाशति?
क) विद्या बुद्धिं ददाति
ख) विद्या धनं ददाति
ग) विद्या शत्रूं जयति
घ) विद्या दुःखं हरति

39. गद्यांशानुसारं यः सत्येन जीवनं जीवति, सः किम् प्राप्नोति?
क) धनम्
ख) सम्मानम्
ग) दुःखम्
घ) शत्रुः

40. गद्यांशे शिष्याः मुनेः उपदेशेन किम् कृतवन्तः?
क) विश्वं जितवन्तः
ख) विश्वं रक्षितवन्तः
ग) विश्वं संनादितवन्तः
घ) विश्वं त्यक्तवन्तः

उत्तर कुंजी

1. ख) कर्ता
2. ख) नराभ्याम्
3. ख) हसन्ति

MINDBENZ

4. क) अकरो:
5. क) रामः पुस्तकं पठति
6. ख) सूर्योदये कमलं मानो हसति
7. ख) पश्य
8. क) पाठकः
9. ख) गुरूणाम्
10. क) सूर्यः संनादति, संनादति चन्द्रः
11. ख) कर्म कुरु, फलस्य चिन्तां मा कुरु
12. क) श्रेष्ठः यत् करोति, तदेव अन्ये जनाः कुर्वन्ति
13. ग) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
14. वस्त्रैः
15. श्रीकृष्णः
16. फलस्य इच्छां कदापि मा कुरु
17. कर्म कुरु, किन्तु फलस्य इच्छां मा कुरु
18. धर्मस्य स्थापनया
19. 18
20. विश्वस्य एकत्वम्
21. ख) विद्या सबका आधार है।
22. क) सूर्य संसार को प्रकाशित करता है।
23. ख) गुरु शिष्यों को सद्गुण सिखाते हैं।
24. क) नदी बहती है, जो जीवन का आधार है।
25. क) पृथ्वी सबकी रक्षा करती है।
26. क) बालक हमेशा विद्या पढ़ता है।
27. ख) राजा न्याय से प्रजा की रक्षा करता है।
28. ग) विद्या जीवन को प्रकाशित करती है।
29. क) हमेशा सत्य बोलो।

MINDBENZ

30. क) चन्द्रमा अपने शीतल प्रकाश से संसार को प्रकाशित करता है।

31. क) उद्याने

32. ख) कुसुमानि

33. क) विश्वेन

34. ख) बुद्धिमान्

35. ग) दर्पणम्

36. ख) दीपः तमसि

37. क) स्वच्छम्

38. क) विद्या बुद्धिं ददाति

39. ख) सम्मानम्

40. ख) विश्वं रक्षितवन्तः

MINDBENZ